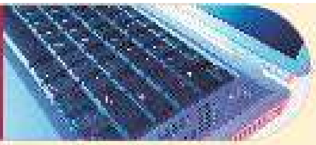

हमारी वेबसाइट द्वारा होमियोपथी को जानिये:

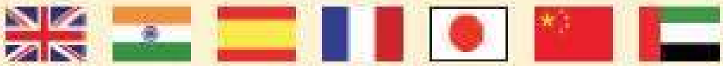

हमारी वेबसाइट ७ अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं मे उपलब्ध है।
अंग्रेजी, हिन्दी, स्पेनिश, फ्रेंच, जापानी, चायनीझ और अरेबिक।

श्वेतकुष्ठ पर अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट पर निम्न पृष्ठ देखें: www.leucoderma.com/default_hindi.htm

सामान्य वेबसाइट्स

askdrshah.com	e-homoeopathy.com
classicalhomoeopathy.com	lifeforce.in

बीमारी विशेष वेबसाइट्स

alopeciaareata.us	anxietyneurosis.com
asthma.net.in	asthmaticbronchitis.com
atopicdermatitis.us	cervicalspondylitis.us
chalazion.com	eczematreatment.us
e-hepatitis-c.com	e-psoriasis.com
fissure-in-ano.com	frequentcolds.com
gerdtreatment.us	hairfalling.com
irritablebowelsyndrome.us	leucoderma.com
lichenplanus.com	migrainetreatment.us
nephroticsyndrome.com	prostatitis.com
savetonsils.com	skin.ae
sleeplessness.us	trigeminalneuralgia.us
ulcerativecolitis.us	underactivethyroid.com
urticaria.com	

World's first ISO 9001:2000 Certified Homoeopathic Clinic with a Research wing

An ISO 9001: 2000 Certified Clinic

LifeForce
HOMEOPATHY

Life Force Center
415, Krushal Commercial Complex,
Above Shopper's Stop, 4th Floor,
G.M. Road, Chembur, Mumbai 400089. India
Tel.: 91-22-67978289, 67993242,
91-22-67031855, 67030800
Fax: 91-22-67978290
E-mail: info@askdrshah.com
Time: 9.00 a.m. to 8.00 p.m.

© Homoeopathy India Pvt. Ltd. All rights reserved.

LifeForce
HOMEOPATHY

श्वेतकुष्ठ (Vitiligo)

होमियोपथिक उपचार

Research based Homoeopathy

श्वेतकुष्ठ क्या है?

श्वेतकुष्ठ (Vitiligo) एक ऐसा त्वचारोग है जिसमें चमड़ी के सामान्य रंग में फर्क आ जाता है और वह सफेद हो जाती है। त्वचा को रंग देने वाले तत्त्व (melanin) की कमी से यह रोग होता है। इसे अंग्रेज़ी में ल्युकोडर्मा (Leucoderma) भी कहते है और अधिकतर लोग इसे कोड़ के नाम से भी जानते है। कुष्ठरोग (Leprosy, लेप्रसी) जो बीमारी है उसका श्वेतकुष्ट से कोइ भी संबंध नही है। इस बीमारी के मुख्य लक्षण है त्वचा पर विभिन्न आकार और माप के दूध जैसे सफेद रंग के धब्बे उभरना। कभी कभी ये धब्बे पूरे शरीर पर भी फैल सकते है; इनका फैलना कोई विशिष्ट प्रकार के क्रम से नहीं होता है। भारत में करीब ८% लोग इस बीमारी से पीड़ित है। श्वेतकुष्ठ कोई गंभीर बीमारी नही है, बल्कि इसे एक प्रसाधन संबंधी सामाजिक समस्या माना जा सकता है।

श्वेतकुष्ठ के कारण:

- श्वेतकुष्ठ के मुख्य कारणो में प्रतिरक्षी तंत्र (autoimmunity) का महत्वपूर्ण कार्यभाग माना जाता है। श्वेतकुष्ठ के मरीज़ के परिवार में स्वरक्षात्मक तंत्र संबंधित बीमारी (Diabetes, Hypothyroidism, Cancer, etc) से पीड़ित सदस्य अक्सर पाए जाते है।
- आनुवांशिक (Genetic) कारण

श्वेतकुष्ठ के अन्य कारण नीचे दिये गए चित्र में दर्शाए गए है:

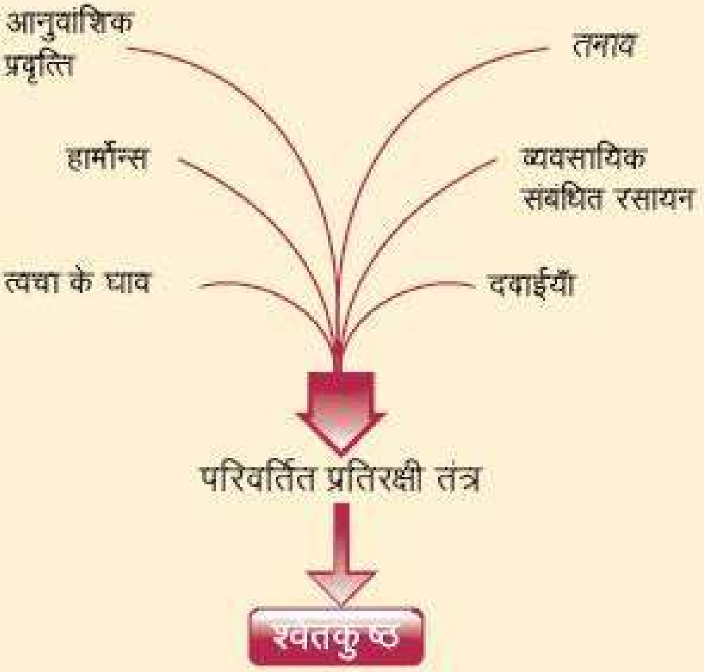

श्वेतकुष्ठ का होमियोपथिक उपचार:

होमियोपथी से उपचार कराते समय हर रोगी को व्यक्तिगत रूप में पूर्णता से जाँचा जाता है, और सभी जिम्मेदार कारणों का मूल्यांकन करने के बाद दवाई निर्धारित की जाती है। होमियोपथी में प्रकृति में उपलब्ध औषधी पदार्थो का अत्यंत सूक्ष्म मात्रा में उपयोग करके दवाई बनाई जाती है। इस कारण से ये दवाईयाँ बहुत प्रभावकारी होती है और साथ साथ उनसे कोई दुष्परिणाम भी नहीं होता है। ये दवाईयाँ, अन्य औपचारिक दवाईयो के साथ ली जा सकती है। ये दवाईयाँ शिशुओं, गर्भवती महिलाओं और वृद्ध लोगों के लिए भी सुरक्षित है।

- होमियोपथी प्रतिरक्षी तंत्र में सुधार लाती है।
- होमियोपथिक उपचार से मेलानोसाइट (melanocyte) के नष्ट होने की प्रक्रिया कम हो जाती है और मेलानिन (melanin) तत्त्व के बढ़ने में मदद होती है।
- होमियोपथी शरीर की रोग–प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाती है और उसमें सुधार लाती है।
- होमियोपथी बीमारी का उपचार जड़ से करती है, इसी कारण से वह आनुवांशिक प्रवृत्तियों का असर कम करती है।
- मनोवृत्ति और मानसिक दबाव (stress) को कम करने में और उसमें स्थिरता लाने में होमियोपथिक दवाईयाँ मदद करती है एवं शरीर को इसके दुष्परिणामों से बचाती है।
- होमियोपथिक दवाईयाँ प्रभावशाली होने के साथ साथ सुरक्षित है और उनका कोई दुष्प्रभाव भी नही होता है।

उपचार के पहले **उपचार के बाद**

*हमारे सेंटर पर लिये गए अपरिवर्तित छायाचित्र:

होमियोपथिक उपचार की उपयोगिता:

होमियोपथिक उपचार उन मरीज़ों में ज़्यादा लाभदायक पाया गया है, जिनमें बीमारी बहुत ज़्यादा फैली ना हो। जिन लोगों में श्वेतकुष्ठ ज़्यादा व्यापक है, उन मरीज़ों में होमियोपथी बीमारी को और ज़्यादा फैलने से रोकने में मदद करती है। शरीर के कुछ ऐसे भाग है, (उदाहरण–हाथ और पैरों की उंगलियों के अग्रभाग, मुँह और आँख के कोने, इत्यादि) जहाँ पर श्वेतकुष्ठ को कम करना कठिन हो सकता है।

नॅरोबँड टार्गेटेड फोटोथेरपी द्वारा श्वेतकुष्ठ का उपचार:

टार्गेटेड फोटोथेरपी एक आधुनिकतम और विकसित फोटोथेरपी उपचार प्रणाली है। इसमें UVA और UVB रोशनी की किरणें श्वेतकुष्ठ से पीड़ित चमड़ी पर आवश्यक मात्रा में दी जाती है जिससे कि सफेद चमड़ी में फिर से रंग आने की शुरूवात हो जाती है। इन किरणों से चमड़ी में रंग (melanin) के उत्पादन में वृद्धि होती है। होमियोपथी और फोटोथेरपी की मिली जुली कार्यनीति से रोग निवृति भी जल्दी होती है। टार्गेटेड फोटोथेरपी पर अधिक सूचना के लिए, आप टार्गेटेड फोटोथेरपी के विवरणिका को पढ़े या हमारे यहा के डॉक्टर से पूछताछ करे।

विटिलिगो के ठीक होने की संभावना जानने की आनलाइन जाँच सुविधा:

आपके विटिलिगो के ठीक होने की संभावना का प्रतिशत निकालने के लिए आनलाइन जाँच की सुविधा है, जिसे आप निम्न पृष्ठ पर जाकर जाँच के लिए उपयोग में ला सकते है:

www.leucoderma.com/test_vitiligo/register.asp

उपचार के पहले | **उपचार के बाद**

अन्य छायाचित्रों के लिये निम्न पृष्ठ देखें: www.leucoderma.com/cases.htm

सफलता की कहानियां:

आप के बताने के अनुसार मैं मेरे लड़के को होमियोपथिक दवाईयाँ दे रहा हूँ। उसके श्वेतकुष्ठ में सुधार देखकर मैं बहुत खुश हूँ। मैं डॉ. राजेश शाह का आभारी हूँ कि उन्होंने बहुत उचित उपाय किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि मेरे लड़के की त्वचा पर और सफेद धब्बे नही उभरे है।

धनुशेन के पिता, उतामा सिलेंगोर, डी. ई., मलेशिया

मेरे बेटे अल्बर्टो का स्वास्थ बहुत अच्छा है। आप से उपचार लेने के बाद उसके श्वेतकुष्ठ के धब्बे दिखने में भी कम हो गए है। धन्यवाद।

अल्बर्टो मेन्डोझा की माँ, न्यू जर्सी, यूनाइटेड स्टेट्स

केवल ५ सप्ताह से दवाई ले रहा हूँ और काफी हद तक त्वचा का प्राकृतिक रंग आने लगा है। घुटनों के पीछे उपस्थित चकत्ते करीब करीब पूरे अच्छे हो गए है, घुटनों के ऊपर और कुहनी पर वे चकत्ते भी कम होते नज़र आ रहे हैं और उनमें रंग आने की शुरूवात हो गई है।

जोसेफिन हरकिन, यूनाइटेड किंग्डम

मेरे द्वारा भेजे गए फोटोग्राफ से आप मेरे श्वेतकुष्ठ के सुधार का अंदाज़ा लगा सकते हैं। मुख्य बात यह है कि मेरे पैर के पुराने धब्बों का आकार बहुत कम हो गया है और आँख के पास वाले धब्बें पूर्णतया चले गये हैं।

नेहा फरीद, मिसीसागा, ओंटारियो , कनाडा

मुझे आपको सूचना देते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मेरी पुत्री के श्वेतकुष्ठ में सुधार हो रहा है। आपकी होमियोपथी दवाईयों के लिए धन्यवाद। अब उसकी त्वचा पर कोई भी सफेद धब्बे नहीं दिख रहे है।

जी. वेंकटरमन, भारत.

होमियोपथी से मेरे बेटे को बहुमूल्य फायदा हुआ है। उसकी त्वचा के सफेद दागों में होमियोपथी दवाई से काफी फायदा हुआ है।

अ. जैन की माता, भारत

मरीजों के अन्य चिकित्सीय अनुभव निम्न पृष्ठ पर देखें:
www.leucoderma.com/testimonials.htm

डॉ. राजेश शाह M.D. (Hom.)
डॉ. रूपल शाह M.D. (Hom)

डॉ. राजेश शाह, पिछले २० वर्षों से होमियोपथी का गहन अध्ययन एवं अनुसंधान कर रहे है। डॉ. शाह अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक डाक्टर एव अध्यापकके रूप मे विख्यात है। कई वर्षो से डॉ. शाह, होमियोपथी के छात्रों एवं डाक्टरों के लिए सेमिनार एवं कार्यशालायें आयोजित कर रहे हैं। डॉ. शाह ने इंग्लैंड, हालैंड, बेल्जियम, चेक गणराज्य, ग्रीस, स्वीडन, यू. एस. ए, आयरलैंड आदि के कई छात्रों एवं डाक्टरों को प्रशिक्षित किया है।

डॉ. शाह, होमियोपथी इंडिया फाऊंडेशन के निर्देशक, होमियोपथी टाइम्स के संपादक, "My Experiences with Ferrum Metallium", "Lichen planus and its Homoeopathic Treatment" एवं "Urticaria and its Homoeopathic Treatment" पुस्तकों के लेखक हैं। वह CMPH Medical College के नियमित व्याख्याता एवं डाक्टर रह चुके हैं। डॉ. शाह ने समय समय पर लंडन, न्युयार्क, मुम्बई के टेलिविज़न प्रसारण में होमियोपथी के संबध में अपने विचार प्रस्तुत किए हैं। डॉ. शाह के कई वैज्ञानिक अनुसंधान एवं दस्तावेज़ अंतराष्ट्रीय जरनल में प्रकाशित हुए हैं। उन्होंने समय समय पर होमियोपथी इलाज के नए नए तरीके खोजे हैं। वर्तमान में डॉ. शाह कठिन बीमारियों के होमियोपथिक इलाज के लिए नए अनुसंधान करने में लगे हुए हैं।

डॉ. राजेश शाह पिछले २० वर्षों से अनुसंधान पर आधारित होमियोपथिक दवाईयों से इलाज करते आ रहे हैं। वे १० वर्षो से ज़्यादा समय से, मरीज़ों का इलाज दूरवर्ती (Online/Internet) होमियोपथिक उपचार विधि के माध्यम से कर रहे हैं।

लाइफ फोर्स सेंटर:

लाइफ फोर्स सेंटर दुनिया का सर्व प्रथम ISO 9001:2000 प्रमाणित होमियोपथिक चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र है, जिसे डॉ. राजेश शाह M.D. (Hom.) एवं डॉ रूपल शाह, M.D. (Hom.) ने स्थापित किया है।

डॉ शाह दंपति ने होमियोपथी को समर्पित डाक्टरों की टीम बनाई है, जो अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर होमियोपथी प्रोजेक्ट पर कार्य कर रही है। डॉ. शाह दंपति अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर होमियोपथी के प्रचार, प्रसार, शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण के लिए समर्पित हैं। डॉ. शाह दंपति होमियोपथी को मुख्यधारा की चिकित्सा बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

ऑनलाईन (इंटरनेट द्वारा) उपचार:

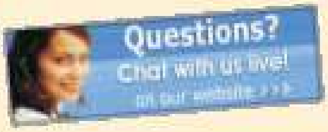

विश्वस्तरीय होमियोपथिक डॉ. राजेश शाह ने विश्व के समस्त रोगियों को लाभान्वित करने हेतु दूरवर्ती होमियोपथिक उपचार की शुरूवात की है। १२० से अधिक देशों के हज़ारों रोगी डॉ. राजेश शाह के उपचार से लाभान्वित हुए हैं। यह एक उपलब्धि है जो "लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड्स" में सम्मिलित है। नवीन प्रक्रिया के तहत मुम्बई स्थित उपचार केंद्र में आए बिना, आप डॉ. राजेश शाह के होमियोपथिक उपचार से लाभान्वित हो सकते हैं।

डाक द्वारा उपचार:

मरीज़ को एक विशेष प्रश्नावली (बीमारी संबंधित) e-mail या डाक द्वारा भेजी जाती है जिसे वे निर्देश अनुसार भरकर पुनः हमें भेज सकते है। उत्तर, e-mail या डाक द्वारा भेजा जा सकता है। प्रश्नावली का जवाब मिलने पर, डॉ शाह एवं उनके सहायक बीमारी का अध्ययन करते है और दवाई का निर्धारण किया जाता है। दवाई कुरियर द्वारा मरीज तक पहुँचा दी जाती है। उपचार हेतु शुल्क, क्रेडिट कार्ड द्वारा अथवा "Life Force Center" के नाम डिमांड ड्राफ्ट या मनी आर्डर द्वारा भेजा जा सकता है।